Series LRH/1

Code No. **3/1/1**
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं - क, ख, ग और घ।*

(ii) *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) *यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारे यहाँ सारे देश में भारतीयता की भावना एक राष्ट्रव्यापी स्तर पर सदैव वर्तमान रही है। यह भावना किसी धर्म, राजनीति या भूगोल से संबद्ध न होकर मूलतः संस्कृति से संबद्ध थी। यदि भारतीयता के मूल स्रोत की बात की जाए तो हम कहेंगे कि यहाँ सदा आदर्श के प्रति निष्ठा रही है। यहाँ समय-समय पर कुछ महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने देश के सामने कुछ आदर्श रखे। उन्होंने उन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाया और वे सबके आदर्श बन गए। एक साझे आदर्श की इस भावना ने सारे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोए रखा है। अब हम चाहें इसे भारतीयता कहें या राष्ट्रीयता।

भारतीय आदर्शों ने सदा से यही शिक्षा दी है कि शक्ति का उपयोग दूसरों पर अत्याचार करने में नहीं, बल्कि पीड़ितों की रक्षा करने में करना चाहिए। हमारी निष्ठा मानव मूल्यों के प्रति रही है। गौतम के दर्शन ने भोग पर त्याग की विजय पर बल दिया। नानक, तुलसी, कबीर ने इन्हीं आदर्शों का सम्मान किया। रामकृष्ण, विवेकानन्द एवं गाँधी भी इन्हीं आदर्शों के प्रचारक थे। यह कहना भ्रामक होगा कि हमारी संस्कृति हमें कमज़ोर बनना सिखाती है। वह तो कहती है कि शक्तिशाली बनो, पर शक्ति का दुरुपयोग न करो। उसका उपयोग न्याय की रक्षा के लिए करो। देश-विदेश में गाँधी जी को जितना नाम मिला, उसका कारण यही था कि उन्हें भारतीय मूल्यों और आदर्शों का प्रतीक माना जाता था। उन्होंने देश में इन्हीं मानव-मूल्यों को जगाया और आत्मविश्वास की भावना का संचार किया। आदर्श के प्रति निष्ठा या प्रतिबद्धता ही किसी देश को एक सूत्र में पिरोती है। आज की समस्याओं का समाधान हमारे आदर्श मानवीय मूल्यों में ही निहित है। देश में इस समय जो विघटनकारी प्रवृत्तियाँ उभरती दिखाई दे रही हैं, उनका कारण भारतीय आदर्शों एवं मूल्यों की जानकारी का अभाव ही नहीं है, बल्कि अब हम में उदारता नहीं रही है, हमारा दृष्टिकोण संकुचित हो गया है, इस संकुचित मनोवृत्ति के कारण हम कमज़ोर होने लगे हैं। हम भूल गए हैं कि समाज की आधारशिला जितनी व्यापक होगी, उसके ऊपर उठने वाली इमारत भी उतनी ही ऊँची होगी।

(i) भारतीयता की भावना की क्या विशेषता रही है? 1

(ii) समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोए रखने वाली भावना को आप क्या कहना चाहेंगे और क्यों? 2

(iii) शक्ति के प्रयोग के बारे में भारतीय आदर्श क्या सिखाते हैं? 1

(iv) भारत के महापुरुषों का देश के लिए क्या योगदान रहा है? 1

(v) भारतीय आदर्शों का प्रतीक किसको माना गया और क्यों? 1

(vi) विघटनकारी प्रवृत्तियाँ क्या हैं? ये प्रवृत्तियाँ देश में क्यों उभर रही हैं? 2

(vii) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(viii) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी बताइए - 1
राष्ट्र, विशाल।

(ix) आदर्श, व्यापक – शब्दों के विपरीतार्थी बताइए। 1

(x) दुरुपयोग एवं प्रतिबद्धता शब्दों से उपसर्ग एवं प्रत्यय अलग कीजिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 4 = 8$

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असिधारों पर,
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी क़ूवत को आज ज़रा आजमाओ तो।

तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे हुओं को, बढ़कर गले लगाऊँगा।
क्यों नीच-ऊँच, कुल, जाति, रंग का भेद-भाव?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष महल ढहाऊँगा।

तुम बढ़ा सकोगे कदम ज्वलित अंगारों पर?
मैं काँटों पर बिंधते-बिंधते बढ़ जाऊँगा।
सागर की विस्तृत छाती पर हो ज्वार नया
मैं कूद स्वयं पतवार हाथ में थामूँगा।

है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है'
तो आओ मेरे साथ नींव में गड़ जाओ।
ऊपर से निर्मित होना है आनंद महल
मरते-मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

(i) यह कविता किसे संबोधित है? कवि उन्हें तलवार की धार पर चलने को क्यों कह रहा है?

(ii) 'भूतल का नया इतिहास' कैसे बनाया जा सकता है?

(iii) देश और समाज के कल्याण के लिए कवि किन-किन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है?

(iv) है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है'
तो आओ मेरे साथ नींव में गड़ जाओ।
उपर्युक्त काव्यांश का आशय समझाइए।

अथवा

तुम कुछ न करोगे तो भी विश्व चलेगा ही,
फिर क्यों गर्वीले बन लड़ते अधिकारों को?
सो गर्व और अधिकार हेतु लड़ना छोड़ो,
अधिकार नहीं, कर्तव्य-भाव का ध्यान करो!

है तेज वही, अपने सान्निध्य मात्र से जो
सहचर-परिचर के आँसू तुरत सुखाता है,
उस मन को हम किस भाँति वस्तुतः सु-मन कहें,
औरों को खिलता देख, न जो खिल जाता है?

काँटे दिखते हैं जब कि फूल से हटता मन,
अवगुण दिखते हैं जब कि गुणों से आँख हटे;
उस मन के भीतर दुख कहो क्यों आएगा;
जिस मन में हों आनंद और उल्लास डटे!

यह विश्व-व्यवस्था अपनी गति से चलती है,
तुम चाहो तो इस गति का लाभ उठा देखो,
व्यक्तित्व तुम्हारा यदि शुभ गति का प्रेमी हो
तो उसमें विभु का प्रेरक हाथ लगा देखो!

(i) कवि अधिकारों की चिंता न करने और कर्तव्य-भाव का ध्यान करने के लिए क्यों कह रहा है?

(ii) 'तेज' और 'सुमन' के क्या लक्षण बताए गए हैं?

(iii) दुख कैसे मन के भीतर प्रवेश नहीं कर पाता और क्यों?

(iv) आशय स्पष्ट कीजिए:

'काँटे दिखते हैं जब कि फूल से हटता मन,
अवगुण दिखते हैं जब कि गुणों से आँख हटे'

खंड 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : 10

(क) **ग्राम्य जीवन** – नगरों की जगमगाहट और गहमा-गहमी से दूर, कच्चे-पक्के घर, सीधे-सादे निवासी, छोटे-बड़े खेत, खेतों में फैली हरियाली, आनन्दप्रद परिवेश।

(ख) **बढ़ती आबादी – एक विकराल समस्या :** बढ़त के कारण, देश की आर्थिक स्थिति, संसाधनों एवं योजनाओं पर इसका दुष्प्रभाव, बढ़त रोकने के उपाय, समाधान के प्रयास।

(ग) **रेल के अनारक्षित डिब्बे में यात्रा** – यात्रा का प्रयोजन, डिब्बे के भीतर और बाहर का दृश्य, छोटे-बड़े स्टेशन, प्लेटफार्म के दृश्य, भीड़ के कारण डिब्बे का दमघोंटू वातावरण।

4. यातायात-व्यवस्था को सुधारने के अभियान में नगर की यातायात पुलिस को ग्रीष्मावकाश में आप अपनी सेवाएँ समर्पित करना चाहते हैं। पुलिस अधीक्षक (यातायात) को इस आशय का एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

छात्रावास में रहने वाले छोटे भाई को एक पत्र लिखिए जिसमें योग एवं प्राणायाम का महत्व बताया गया हो और नियमित रूप से इनका अभ्यास करने का सुझाव भी दिया गया हो।

खंड 'ग'

5. (क) क्रियापद छाँटकर उनके भेद भी लिखिए: 2

(i) मोहन भिक्षुक को भिक्षा देता है।

(ii) तुम्हारी साइकिल पर मेरा मन ललचाता है।

(ख) अव्यय पद पहचान कर उनके भेद लिखिए: 2

(i) शिक्षा के बिना जीवन पशुतुल्य है।

(ii) उसने परिश्रम किया इसलिए श्रेणी में प्रथम आया।

6. रेखांकित पदों का परिचय दीजिए: 2

मैं कल बनारस जाऊँगा।

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए: 3

(i) मैं खाना बनाकर अपने काम पर चली गई। (संयुक्त वाक्य में)

(ii) उसने बहुत महँगी कार खरीदी है। (मिश्र वाक्य में)

(iii) यह मेरी पुस्तक है। इसे सब पसन्द करते हैं। (सरल वाक्य में)

8. निर्देशानुसार वाच्य बदलिए: 3

(i) ऐसे समाचार को सुनकर माँ रो भी नहीं सकी। (भाव वाच्य में)

(ii) नेता जी कंबल बाँट रहे हैं। (कर्म वाच्य में)

(iii) तुम्हारे द्वारा इन बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। (कर्तृ वाच्य में)

9. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों का नामोल्लेख कीजिए: 3

(i) नयन तेरे मीन-से हैं।

(ii) मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई।

(iii) कालिंदी-कूल-कदंब की डारन।

खंड 'घ'

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2×3=6

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी।
प्रीति-नदी में पाऊँ न बोर्‌यौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी॥

(i) 'ऊधौ' कौन हैं? उन्हें बड़भागी क्यों कहा गया है?

(ii) स्नेह-संबंधों के प्रति उनके वैराग्य को किन उदाहरणों से बताया गया है? स्पष्ट कीजिए।

(iii) गोपिकाओं ने अपने को 'भोरी' क्यों कहा है? उनकी दशा किसकी भाँति हो गई है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बादल, गरजो!
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!

ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो –
बादल, गरजो!

(i) कवि बादल से क्या प्रार्थना कर रहा है? बादल को किसके समान बताया गया है?

(ii) बादल के हृदय में 'विद्युत-छवि' क्यों है? उसको 'नवजीवन वाले' क्यों कहा गया है?

(iii) आशय स्पष्ट कीजिए– 'वज्र छिपा, नूतन कविता फिर भर दो।'

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर परशुराम के स्वभाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि द्वारा प्रस्तुत सुखद स्वप्न को अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर बच्चे की मुस्कान के सौन्दर्य को अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।

(घ) संगतकार जैसे व्यक्ति की संसार में क्या उपयोगिता है? 'संगतकार' कविता के आधार पर समझाइए।

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।
माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई।
जै-जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्रीब्रजदूलह 'देव' सहाई।

(i) यह काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?

(ii) 'अनुप्रास' अलंकार का एक उदाहरण चुनकर लिखिए।

(iii) 'जग-मंदिर-दीपक' का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'मुख-चंद-जुन्हाई' में कौन सा अलंकार है?

(v) काव्यांश किस छंद में लिखा गया है?

अथवा

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;
तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(i) 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है?
(ii) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण चुनकर लिखिए।
(iii) कविता की एक भाषागत विशेषता बताइए।
(iv) बीती यादों को कवि ने किन शब्दों से चित्रित किया है?
(v) 'क्षण' के लिए प्रयुक्त 'जीवित' विशेषण के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3=6

बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। वह हर वर्ष गंगा-स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते, जितनी संत-समागम और लोक-दर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब तीस कोस पर गंगा थी। साधु को संबल लेने का क्या हक? और गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों माँगे? अतः घर से खाकर चलते, तो फिर घर पर ही लौट कर खाते। रास्ते भर खँजड़ी बजाते, गाते, जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार-पाँच दिन आने-जाने में लगते; किन्तु इस लम्बे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किन्तु टेक वही जवानी वाली।

(i) 'बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई' – कथन का आशय समझाइए।
(ii) 'संबल' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए और बताइए कि भगत को संबल लेने का हक क्यों नहीं था?
(iii) आशय स्पष्ट कीजिए– 'बुढ़ापा आ गया था किन्तु टेक वही जवानी वाली।'

अथवा

मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा। लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी। (नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।) इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार, फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में, जो उनके निकट थे, किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ।

(i) अर्थ स्पष्ट कीजिए – 'नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।'
(ii) 'सबसे अधिक छायादार, फल-फूल गंध से भरा.....' किसे और क्यों कहा गया है?
(iii) यज्ञ की आग की क्या विशेषता होती है? संन्यासी की स्मृति की तुलना इस आग की 'आँच' से क्यों की गई है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(क) शहरों के चौराहों पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का क्या उद्देश्य होता है? उस मूर्ति के प्रति लोगों के क्या कर्तव्य होने चाहिए? 'नेताजी का चश्मा' पाठ को दृष्टि में रखते हुए उत्तर दीजिए।

(ख) 'एक कहानी यह भी' – आत्मकथ्य की लेखिका के व्यक्तित्व को बनाने में किस-किस का, किन रूपों में योगदान रहा?

(ग) 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ में स्त्री शिक्षा के विरोधियों ने किन तर्कों के आधार पर अपने पक्ष को पुष्ट किया है?

(घ) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का प्रारम्भिक परिचय देते हुए बताइए कि उनमें संगीत के प्रति आसक्ति किनके गायन और संगीत को सुनकर हुई थी?

15. (क) 'संस्कृति' पाठ के लेखक ने वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा है और क्यों? 3

(ख) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के नवाब साहब के किन हावभावों से लगता है कि वे बातचीत के लिए उत्सुक नहीं हैं? 2

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(क) 'माता का आँचल' पाठ के शीर्षक की उपयुक्तता पर विचार कीजिए।

(ख) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 2×3=6

(क) 'और देखते ही देखते नई दिल्ली का कायापलट होने लगा'– नई दिल्ली के कायापलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रकृति ने जल-संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के आधार पर बताइए कि भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी ने अपना योगदान किस प्रकार किया?

(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता किस तरह महसूस किया?